Self Respect

20th May,2014

बच्चे समझते हैं कि हम स्टूडेन्ट हैं | बाप के स्टूडेन्ट क्या पढ़ रहे हो? हम मनुष्य से देवता बनने की ट्यूशन ले रहे हैं | हम आत्मायें परमपिता परमात्मा से ट्यूशन ले रहे हैं |

जहाँ से हम आत्मायें आई हैं, वहाँ तुम पावन थे | यहाँ आकर पार्ट बजाते-बजाते पतित बने हैं |

अभी तुम बच्चे इस ड्रामा के चक्र को अच्छी तरह से जान गये हो | तुम समझते हो बराबर बाप ने ही वर्सा दिया था, जो अब दे रहे हैं फिर उसी अवस्था में आयेंगे, सो तो तुम बच्चे समझते हो |

लौकिक बाप तो सबको याद है | पारलौकिक बाप को जानते ही नहीं हैं |

आत्मा इतना छोटा सितारा है | बाप भी सितारा है |

तुम अभी बन रहे हो राम सम्प्रदाय |

तुम फील करते हो हम हीरे जैसा जीवन यहाँ बना रहे हैं | सिवाए बाप के और कोई बना न सके |

तुम आसुरी कौड़ी जैसे जन्म से देवताई हीरे जैसा जन्म सेकण्ड में प्राप्त कर सकते हो, बिगर कौड़ी खर्चा |

यह तो बाप बैठ पढ़ाते हैं, पढ़ाकर तुमको देवता बनाते हैं |

बाप ख़ुद कहते हैं मेरा वर्सा तुमको चाहिए तो पतित से पावन बनो, तब पावन विश्व के मालिक बन सकेंगे | यह भी जानते हो बाप बैकुण्ठ स्थापन करते हैं | समझदार बच्चे अच्छी रीति समझते हैं | उस पढ़ाई में खर्चा कितना होता है, यहाँ खर्चा कुछ भी नहीं |

बाप बच्चों से पढ़ाई का क्या लेंगे? बाप तो विश्व का मालिक है, बच्चे जानते हैं हम भविष्य में यह बनेंगे |

यह हैं ज्ञान रत्न | इनके सामने उस जवाहरात की कोई कीमत नहीं |

यह अविनाशी ज्ञान रत्न एक-एक लाखों रुपयों का है | कितने तुमको रत्न मिलते हैं | यह ज्ञान रत्न ही सच्चे बन जाते हैं | तुम जानते हो बाप यह रत्न देते हैं झोली भरने के लिए | यह मुफ़्त में मिलते हैं | खर्चा कुछ भी नहीं | वहाँ तो दीवारों, छतों में भी हीरे जवाहर लगे रहते हैं |

तुमको अब विवेक मिला है | समझते हो पतित-पावन तो एक ही बाप है | तुम अपने योगबल से पावन बन रहे हो | जानते हो पावन बन पावन दुनिया में चले जायेंगे |

यह है ही मनुष्य से देवता बनने का विद्यालय |

बाप कहते हैं तुम सब पतित तमोप्रधान बन गये हो | अब अपने को आत्मा समझ मुझे याद करो | असुल तुम आत्मायें मेरे साथ थी ना |

बाबा का छोटा-सा रूप है | उनको ज्ञान सागर कहा जाता है | यह ज्ञान रत्न हैं जिससे तुम बहुत धनवान बनेंगे | बाकी कोई अमृत वा पानी की बरसात नहीं है | पढ़ाई में पानी की बात नहीं होती |

यह तो जानते हो 5 हज़ार वर्ष पहले बाप से विश्व की बादशाही ली थी |

अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |